व्यावसायिक बकरी पालन प्रशिक्षण शिविर

आयोजक: उत्तराखंड राज्य भेड़, बकरी, शशक पालक कोआपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड

उत्तराखण्ड राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना के अन्तर्गत भेड़ बकरी विकास योजना एक नजर में

- उत्तराखण्ड में भेड-बकरी, पालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) के सहयोग से भेड़-बकरी पालकों के हितार्थ योजना।
- योजना में राज्य के 10,000 भेड़-बकरी, पालकों को संगठित कर सहकारी संगठन तैयार किया जा रहा है।
- 5,000 महिला सदस्यों की प्राथमिक सहकारी समीतियाँ गठित की गई हैं।
- राज्य स्तर पर उत्तराखण्ड राज्य भेड़, बकरी, शशक पालक कोऑपरेटिव फेडरेशन लि० का गठन किया गया है।
- संगठित सहकारी समीतियों के सदस्यों को योजनान्तर्गत नस्ल सुधार हेतु उच्च गुणवत्ता के नर एवं मादा भेड़-बकरियाँ उपलब्ध करायी जायेंगी। साथ ही संतुलित पशु आहार एवं पशु चिकित्सा सेवाएं भेड़-बकरी पालकों के द्वार पर उपलब्ध करायी जायेंगी।
- उत्पन्न पशु संततियों को उत्तराखण्ड राज्य भेड़-बकरी, शशक पालक कोऑपरेटिव फेडरेशन लि० द्वारा क्रय किया जायेगा एवं भेड़-बकरी, पालकों को सुनिश्चित मूल्य उपलब्ध कराया जायेगा।
- योजना के अन्तर्गत अत्याधुनिक वधालय (Zero Waste Modern Abattoir) की स्थापना करते हुए भेड़, बकरी, के मांस की आवश्यकता की पूर्ति को असंगठित क्षेत्र से परिवर्तित करते हुए रक्षा संस्थानों, शिक्षा संस्थानों एवं आम उपभोक्ताओं को स्वस्थ एवं स्वच्छ Himalayan Goat Meat की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जायेगी।
- योजना से भेड़-बकरी, पालन व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्वतीय क्षेत्रों से होने वाले पलायन को रोकने की दिशा में यह एक सार्थक प्रयास होगा, साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था हेतु अभूतपूर्व कार्य होगा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया सम्पर्क करें।

प्रबन्ध निदेशक
उत्तराखण्ड राज्य भेड़, बकरी, शशक पालक कोऑपरेटिव फेडरेशन लि०
उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड
पशुधन भवन, द्वितीय तल (दायी विंग) मोथरोवाला रोड़
पो० ओ० मोथरोवाला, देहरादून-248115,
फोनः 0135-2532926 फैक्स 0135-2532816
E-mail: mdusgef@gmail.com, ceo.uswdbdb@gmail.com
Website: www.uswdbdehradun.in

तकनीकि संस्थाः
सोसायटी फॉर द अपलिफ्टमेन्ट ऑफ विलेजर्स एण्ड डेवलपमेन्ट आफॅ हिमालयन एरियाज
माधवपुरम, निकट शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल,
पाण्डे नवाड, हल्द्वानी-263139, जिला-नैनीताल, उत्तराखण्ड
E-mail: suvidha.ngo@gmail.com, ceo@suvidha.org.in
Website: www.uswdbwool.in www.suvidha_india.org

Uttarakhand Rajya Bhed Bak

भेड़ और बकरी उत्पादन से होने वाले लाभ

- बेचने के लिए भेड़ और बकरिया
- उनके बच्चे
- दूध
- माँस
- ऊन
- प्रजनन के लिए
- फस्लो के लिए उर्वरक

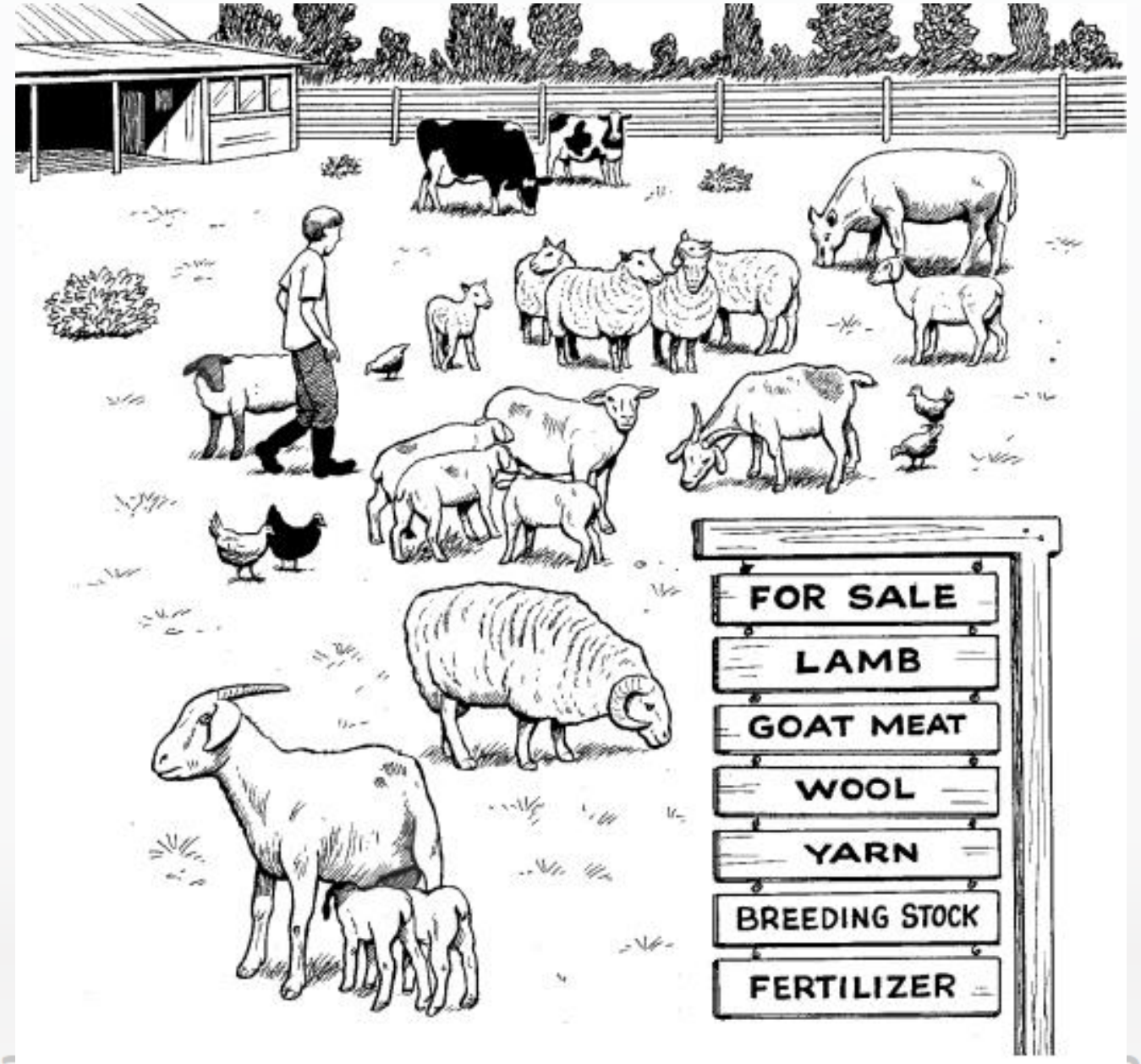

Uttarakhand Rajya Bhed Bakri Shashak Paalak Cooperative Federation Limited

अच्छी बकरी की पहचान

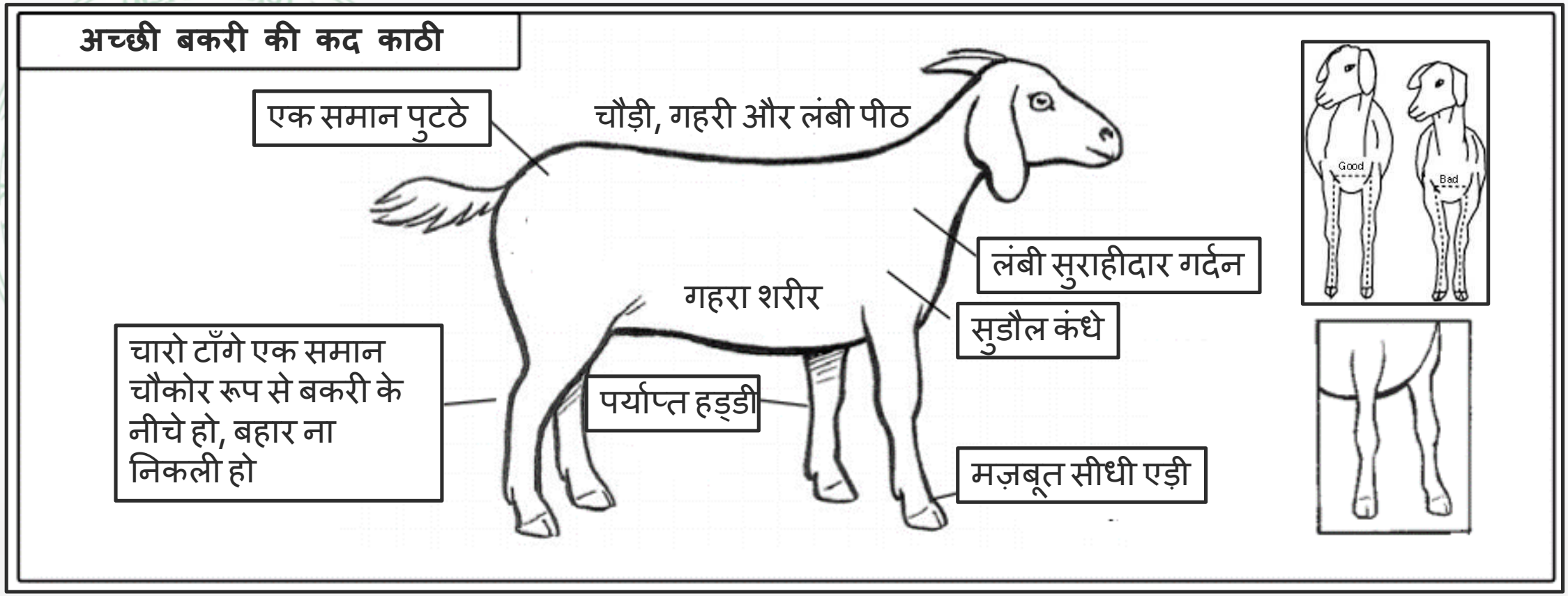

आदर्श बकरी

जैसा की चित्र में दर्शाया गया है की सबसे उत्तम बकरी वह होती है जिसका पिछले पैर का घुटना, पुटठा और खुर-एड़ी एक सीध में होते हैं.

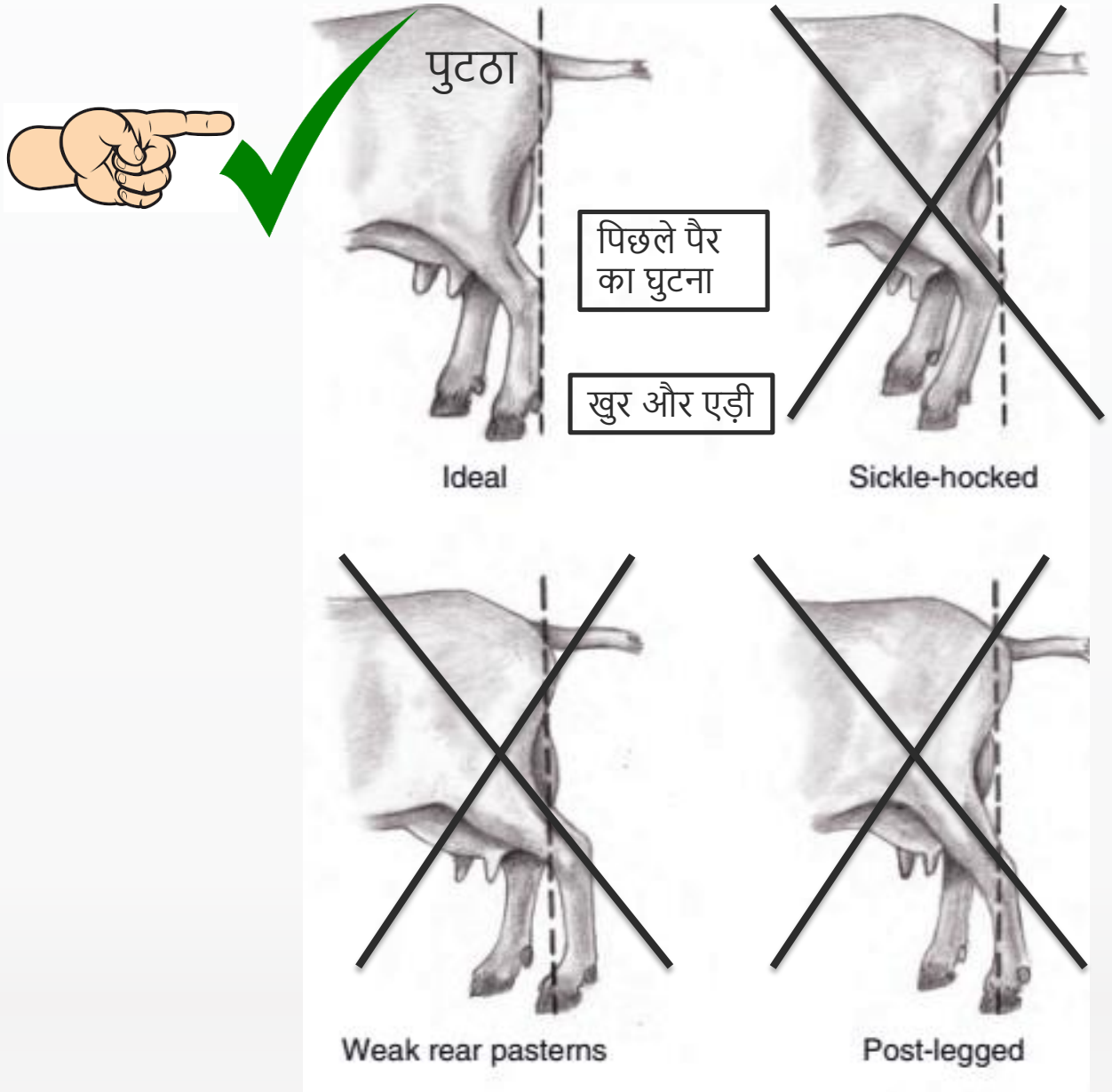

आदर्श बकरी

बकरी के आगे के पैर सीधे और एक समान होने चाहिए मुड़े हुए घुटने या एड़ी चरने और विचरण करने में बढ़ा पैदा करते हैं और उत्पादन घटता है.

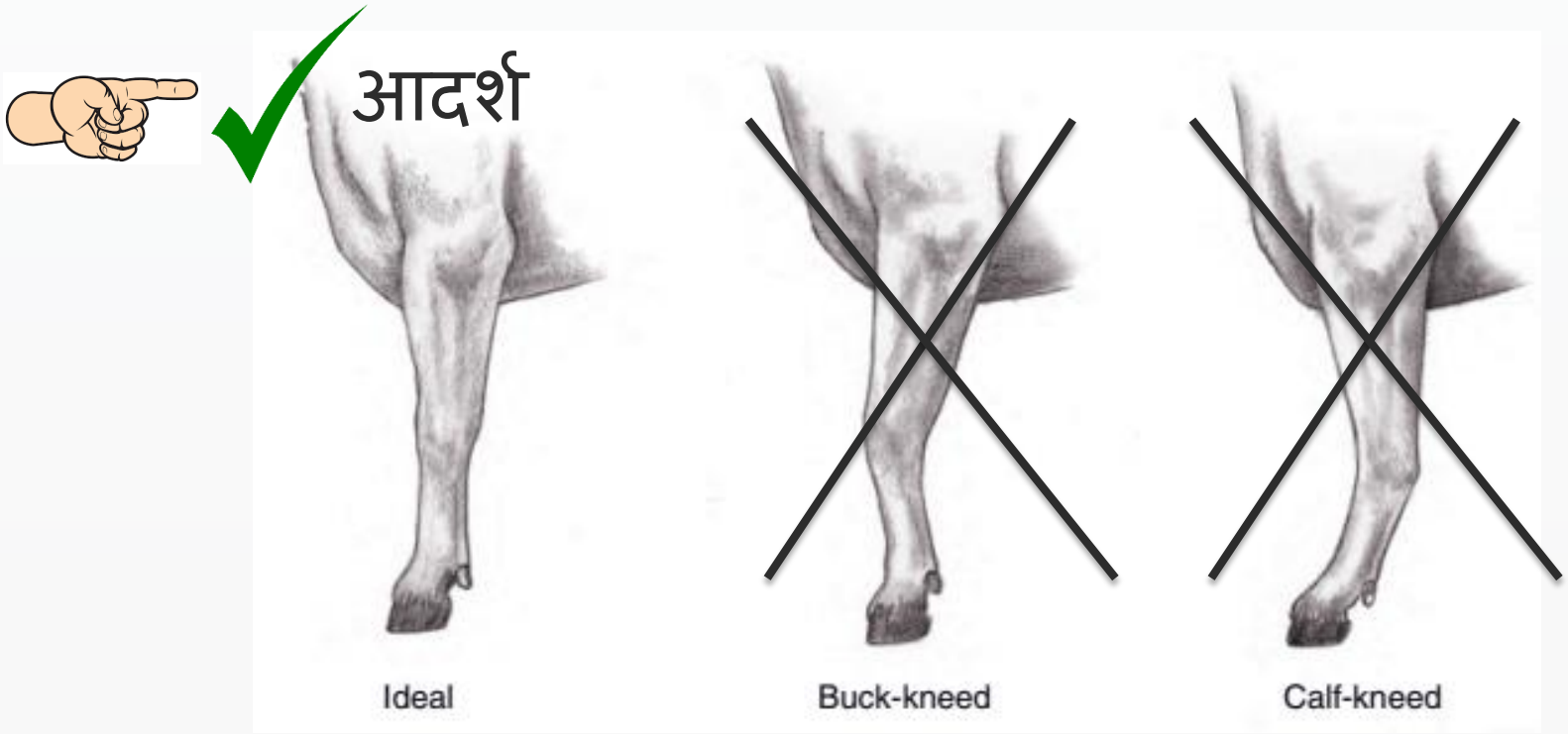

आदर्श बकरी

पीछे से देखने पर आदर्श बकरी वो होती है जिसके दोनो पैर पुटठो से सीधे नीचे आते हैं.

मुड़े हुए पैर खनिज की कमी की वजह से होते है ख़ासकर कॅल्षियम और फॉस्फरस की कमी से देखने को मिलते है. ऐसी बकरियाँ बच्चो को जन्म देते समय दिक्कत कर सकती हैं.

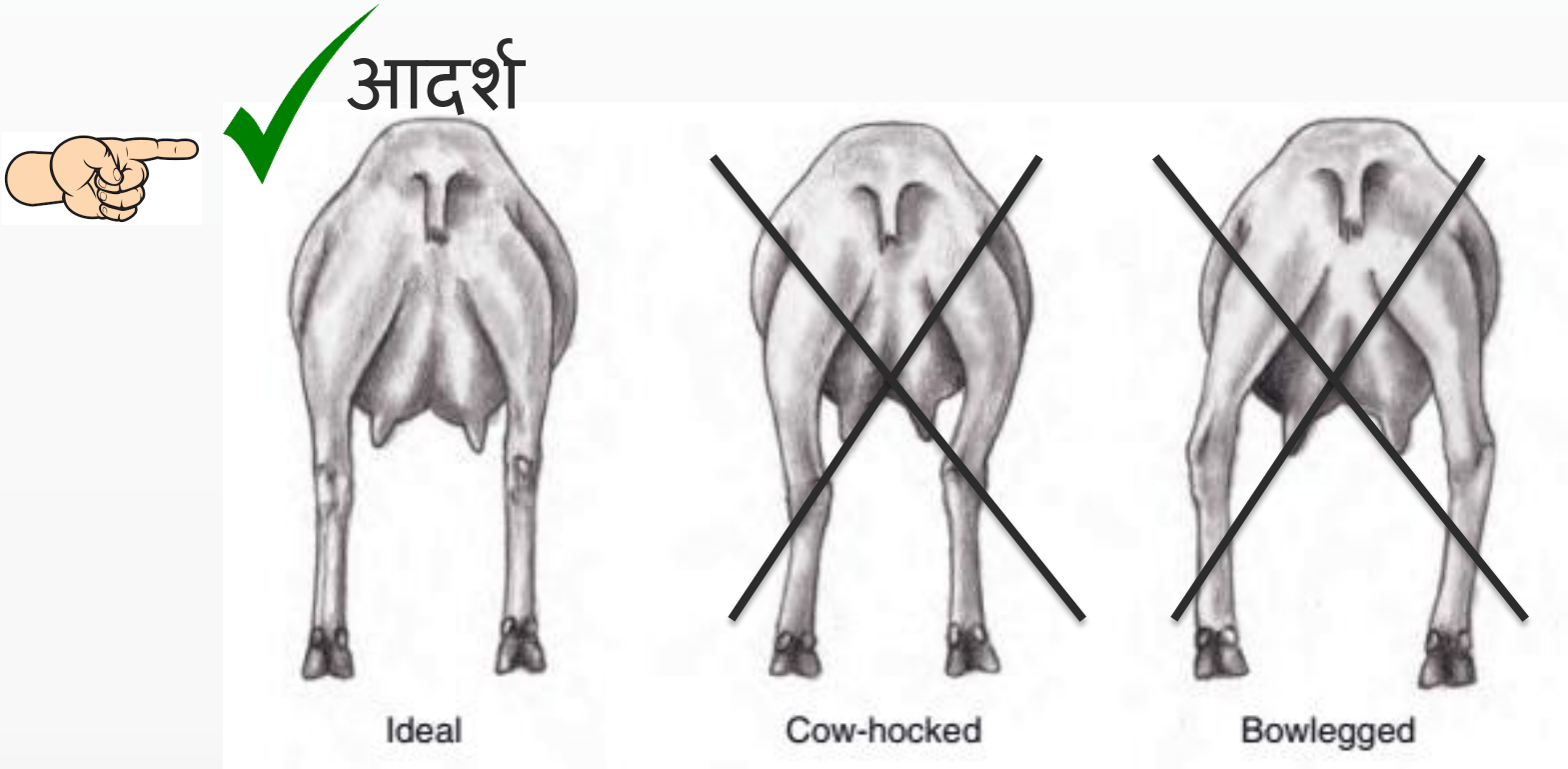

आदर्श बकरी

बकरी के आगे के पैर भी सीधे और सुडोल होने चाहिए जैसा की पहले चित्र में दर्शाया गया है. आगे से मुड़े हुए पैर चलने में दिक्कत करते हैं और चरने वाली बकरियो में उत्पादन घटाते हैं.

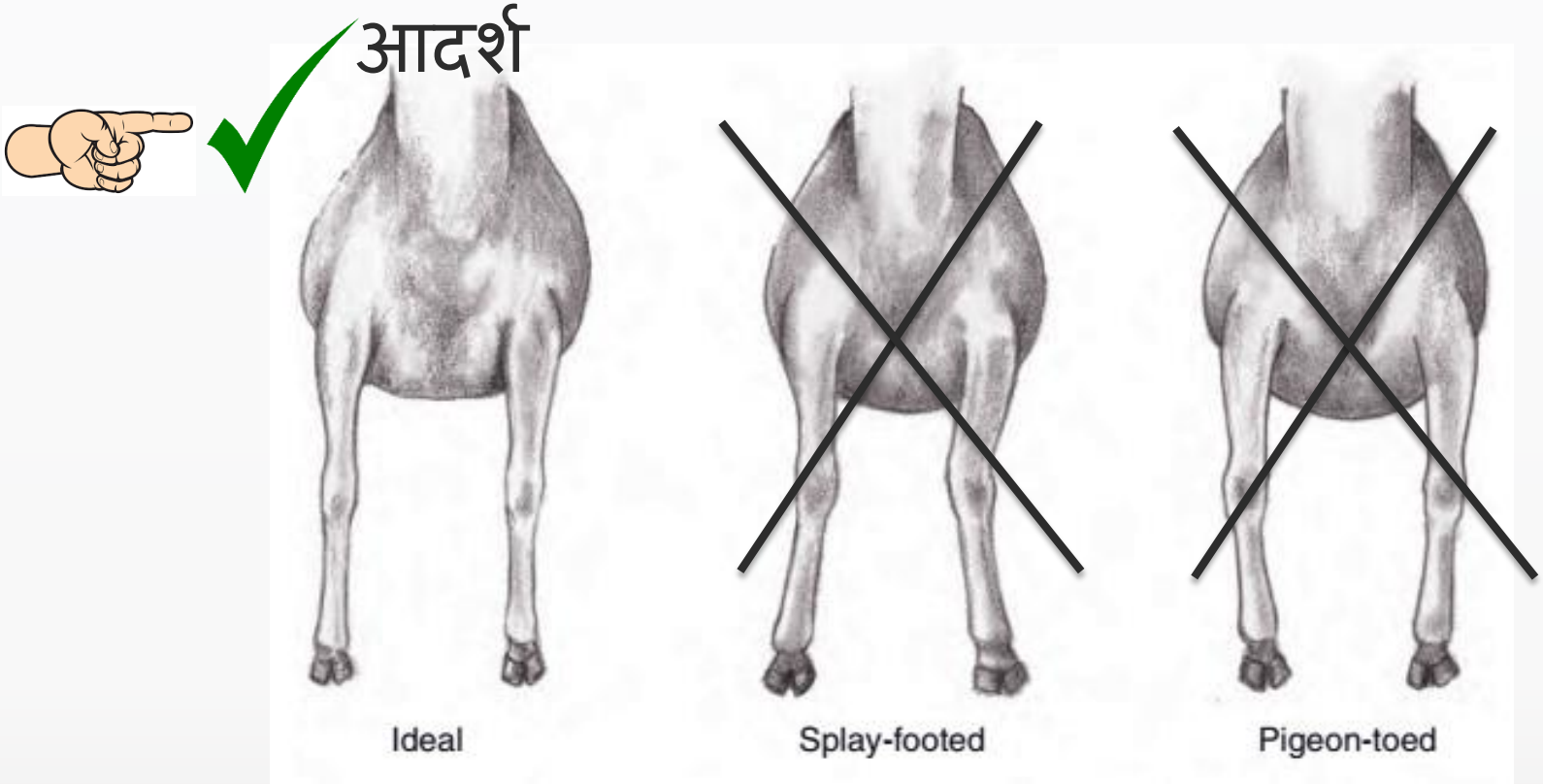

बीमार बकरी की पहचान

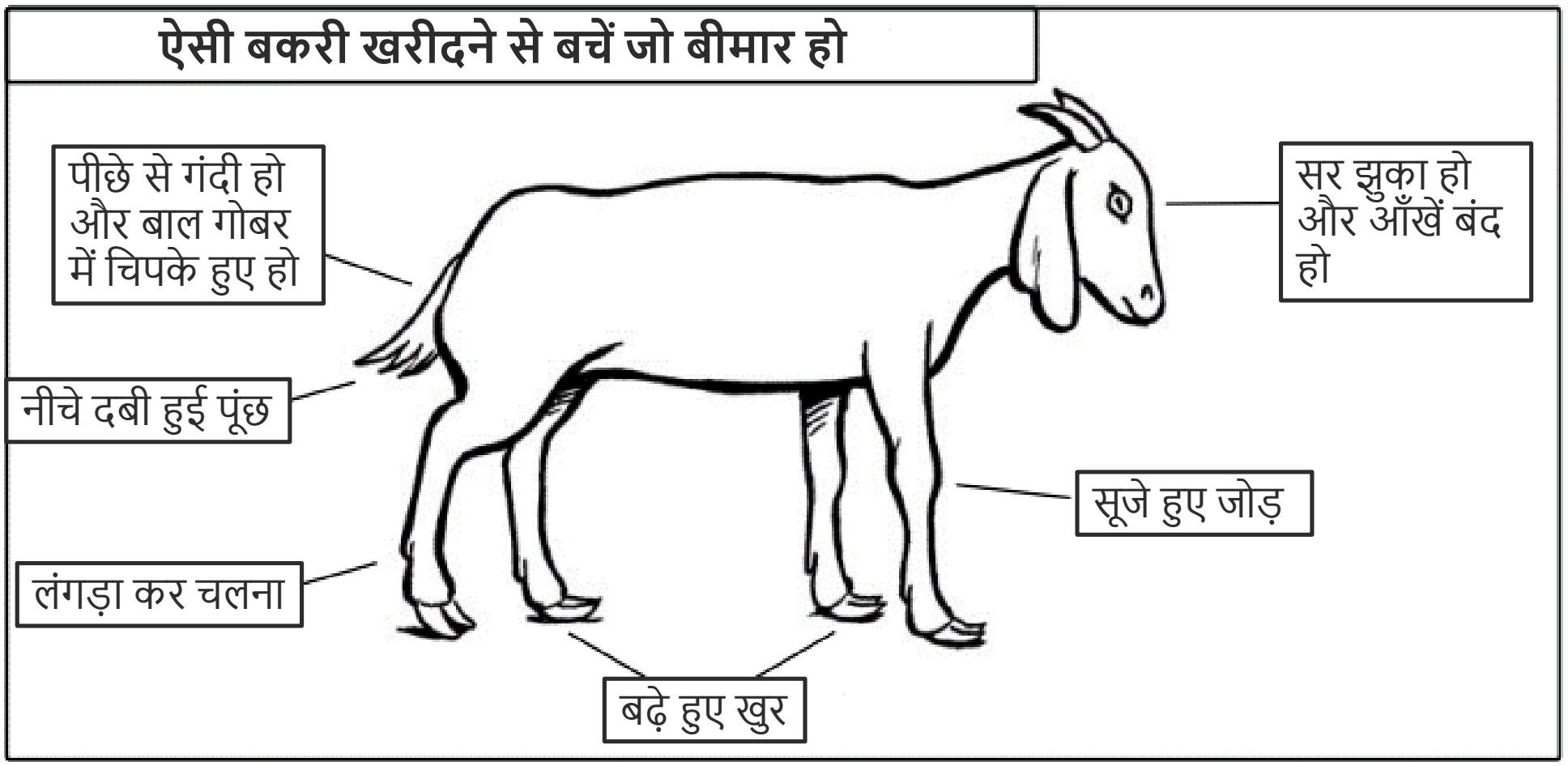

बकरियों में दांतो से आयु का आंकलन

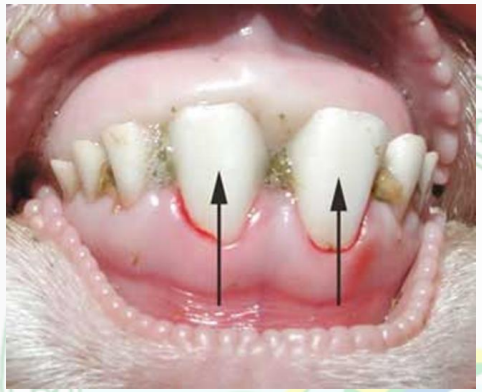

1 साल

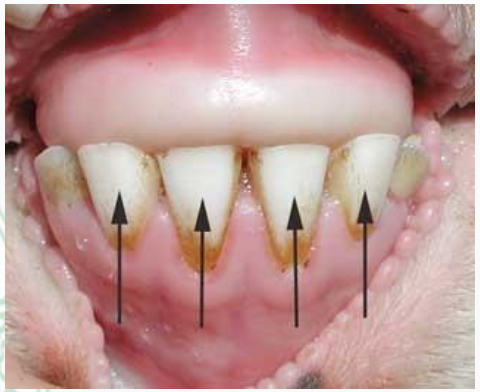

2 साल

3 साल

4 साल

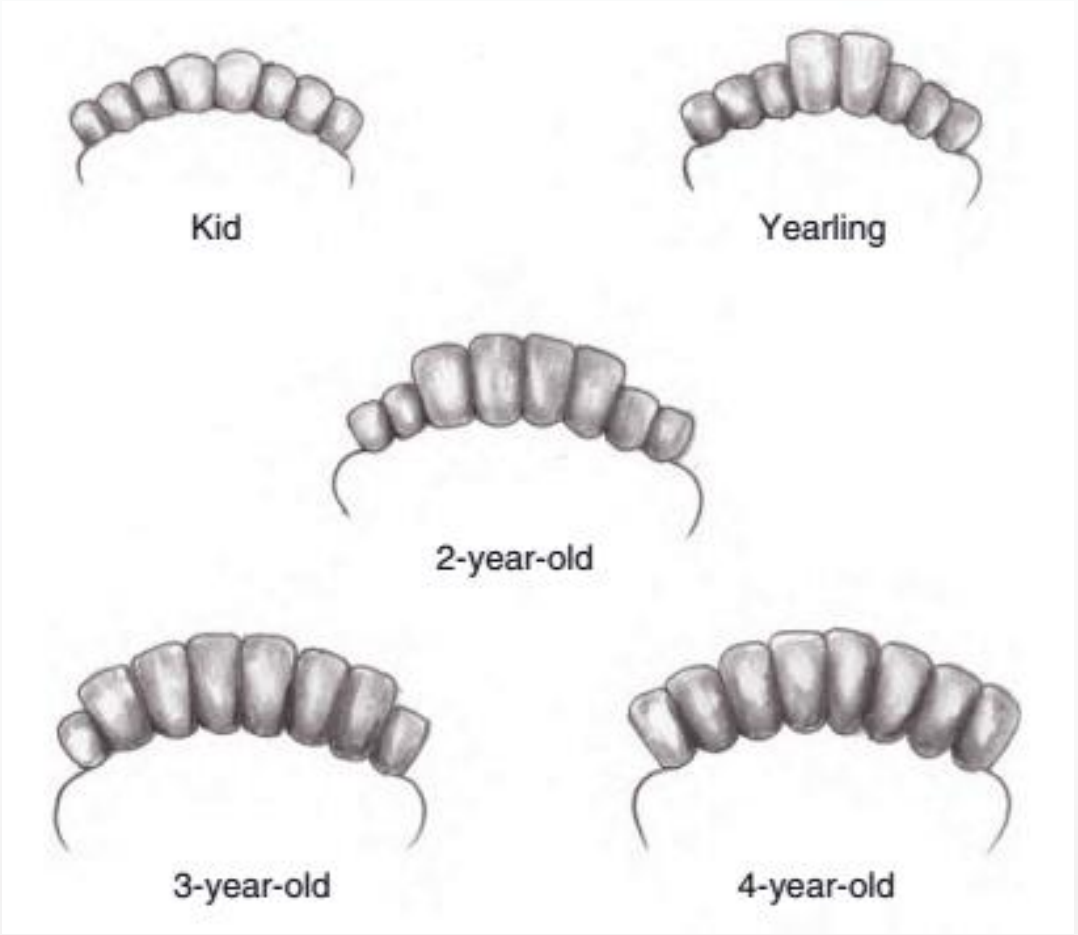

बकरियो में बॉडी स्कोरिंग

बॉडी स्कोरिंग - जिसे हिन्दी में शारीरिक कद काठी की बनावट का मानक माना जाता है. इसमे बकरियो और भेड़ की पीठ पर जमा वसा की मात्रा को देखा जाता है और संख्या देकर आंकलन किया जाता है. जैसा की चित्र में दर्शाया गया है उंगूठे और चार उंगलियो के बीच में बकरी की पीठ को पकड़ें और देखें की उंगलिया कितना अंदर तक जाती हैं. यदि उंगलियाँ अंदर ना जा पाए और बहार ही रहकर सीधी रहें तो वा बकरी सबसे उपयुक्त होती है परज्नाना और उत्पादन के हिसाब से.

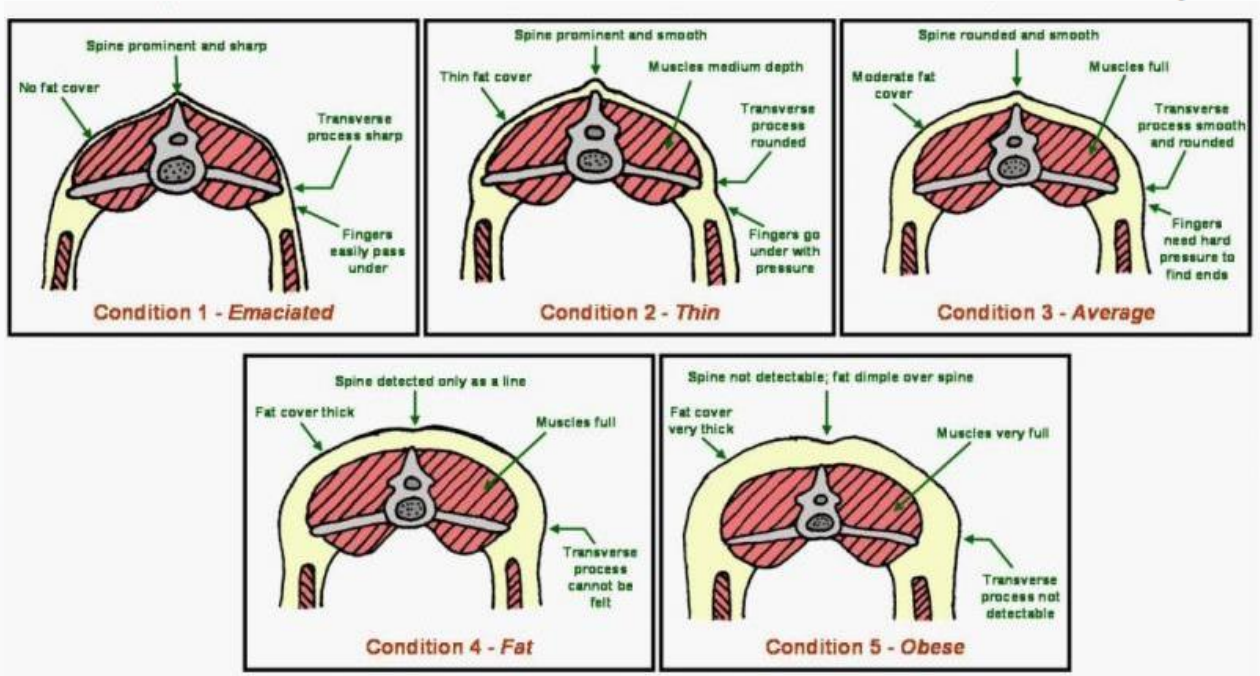

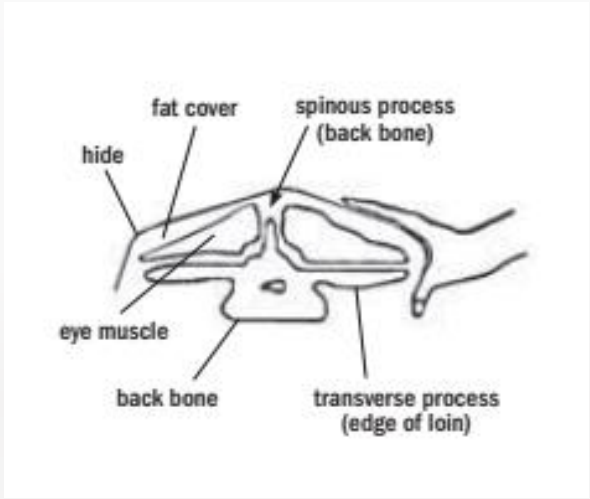

बकरियों में इंच टेप से वज़न पता करने का आसान तरीका

बकरियों में वज़न पता करना क्यू ज़रूरी है

1) फार्म में नयी बकरी लाते समय उसका वज़न मालूम होना चाहिए
2) बकरी को दवाई देते समय वज़न मालूम होना चाहिए इससे दवाई ठीक मात्रा में पहुँचती है और सही असर करती है
3) जब बकरी का वज़न ब्रीडिंग के लिए बढ़ाया जा रहा हो
4) सही बॉडी स्कोर जानने के लिए
5) बढ़ते हुए बकरी के बच्चो की औसत दैनिक बढ़वार जानने के लिए
6) ब्रीडिंग के बकरो को उपयुक्त वज़न पर पहुचाने के लिए
7) उपयुक्त समय और वज़न पर बकरियो को ग्याबन करने के लिए
8) फार्म की औसत संपत्ति की कीमत का अंदाज़ा लगाने के लिए

इस तालिका को उपयोग करने की विधि बहुत ही सरल है. इसमे बकरी की छाती की पेमाईश सेंटीमीटर में ली जाती है और तालिका के सामने दी हुई संख्या से मिला लें. बकरी की छाती की नाप बराबर में दिए गये चित्र की तरह लें. इस बात का ख़याल रखें की नाप लेने वाले फीते को अधिक खींच कर या बालो के उपर ढीला कर के ना लें.

CENTIMETERS (cm)		INCHES (")	→	KILOGRAMS (kg)		POUNDS (lb)
27	=	10 ¾	→	2.3	=	5
29	=	11 ¼	→	2.5	=	5 ½
30	=	11 ¾	→	2.7	=	6
31	=	12 ¼	→	3.0	=	6 ½
32	=	12 ¾	→	3.2	=	7
34	=	13 ¼	→	3.6	=	8
35	=	13 ¾	→	4.1	=	9
36	=	14 ¼	→	4.5	=	10
38	=	14 ¾	→	5.0	=	11
39	=	15 ¼	→	5.4	=	12
40	=	15 ¾	→	5.9	=	13
41	=	16 ¼	→	6.8	=	15
43	=	16 ¾	→	7.7	=	17
44	=	17 ¼	→	8.6	=	19
45	=	17 ¾	→	9.5	=	21
46	=	18 ¼	→	10.4	=	23
48	=	18 ¾	→	11.3	=	25
49	=	19 ¼	→	12.2	=	27
50	=	19 ¾	→	13.2	=	29
51	=	20 ¼	→	14.1	=	31
53	=	20 ¾	→	15.0	=	33
54	=	21 ¼	→	15.9	=	35
55	=	21 ¾	→	16.8	=	37
57	=	22 ¼	→	17.7	=	39
58	=	22 ¾	→	19.1	=	42
59	=	23 ¼	→	20.4	=	45
60	=	23 ¾	→	21.8	=	48
62	=	24 ¼	→	23.1	=	51
63	=	24 ¾	→	24.5	=	54
64	=	25 ¼	→	25.9	=	57
66	=	25 ¾	→	27.2	=	60
67	=	26 ¼	→	28.6	=	63
68	=	26 ¾	→	29.9	=	66
69	=	27 ¼	→	31.3	=	69
71	=	27 ¾	→	32.7	=	72
72	=	28 ¼	→	34.0	=	75
73	=	28 ¾	→	35.4	=	78
74	=	29 ¼	→	36.7	=	81
76	=	29 ¾	→	38.1	=	84
77	=	30 ¼	→	39.5	=	87
78	=	30 ¾	→	40.8	=	90
79	=	31 ¼	→	42.2	=	93
81	=	31 ¾	→	44.0	=	97
82	=	32 ¼	→	45.8	=	101
83	=	32 ¾	→	47.6	=	105
85	=	33 ¼	→	49.9	=	110
86	=	33 ¾	→	52.2	=	115
87	=	34 ¼	→	54.4	=	120
88	=	34 ¾	→	56.7	=	125
90	=	35 ¼	→	59.0	=	130
91	=	35 ¾	→	61.2	=	135
92	=	36 ¼	→	63.5	=	140
93	=	36 ¾	→	65.8	=	145
95	=	37 ¼	→	68.1	=	150
96	=	37 ¾	→	70.3	=	155
97	=	38 ¼	→	72.6	=	160
98	=	38 ¾	→	74.8	=	165
100	=	39 ¼	→	77.1	=	170
101	=	39 ¾	→	79.4	=	175
102	=	40 ¼	→	81.6	=	180
104	=	40 ¾	→	83.9	=	185
105	=	41 ¼	→	86.2	=	190
106	=	41 ¾	→	88.4	=	195

Uttarakhand Rajya Bhed Bakri Shashak Paalak Cooperative Federation Limited

खुरों के रखरखाव संबंधित जानकारी

बकरी के खुर इंसानो के नाख़ून की तरह होते हैं परंतु खुरो और नाख़ून में एक सबसे बड़ा अंतर यह होता है की खुर पैर की हड्डी से जुड़ा रहता है जबकि नाख़ून का हड्डी से कोई लेना देना नही होता. इसीलिए जब खुर बढ़ता है तो वो सीधा दबाव पैर की सबसे निचली हड्डी कॉफिन बोन पर डालता है जिससे अंदर की खाल और नरम टिशू जो हड्डी और खुर को आपस में जोड़ कर रखते है छिल जाते हैं और पशु को असहनीय दर्द होता है.

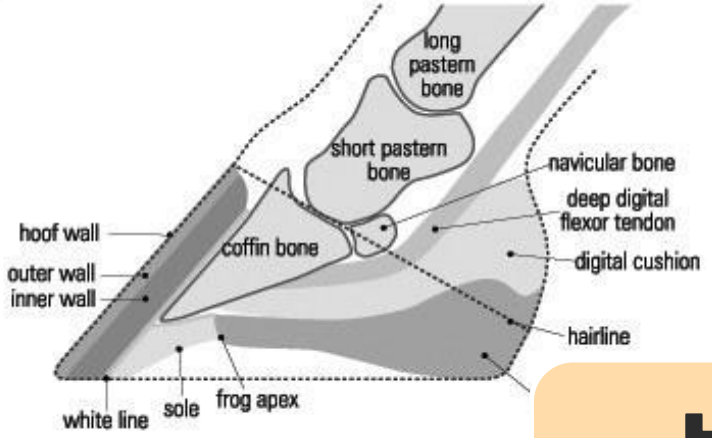

Hoof Trimming

खुर बनाने के उपकरण और विधि

खुर बनाने के उपकरण और विधि

- - बकरियों में खुर हर 6 से 8 हफ्ते में बनाने चाहिए. परंतु फार्म में यह इस बात पर निर्भर करता है की फार्म की ज़मीन किस प्रकार की है और खुर कितने समय में बढ़ जातें हैं.
- - ये बात ध्यान रखनी चाहिए की बकरी को खड़ा करने पर खुर का आकार चोकोर होना चाहिए. जैसा की चित्र में दर्शाया गया है

Figure 1 आदर्श बना हुआ खुर जो एकदम चोकोर है

Figure 2 खुरो की बनावट और विभिन्न भागो के नाम

Figure 3 खुर बनने से पहले की स्थिति

Figure 4 गंदगीहटाने के बाद हूफ वाल और टो बनाते हुए

Figure 5 निपर से खुरो की साइज़ बनाते हुए

Figure 6 बना हुआ सपाट खुर

बकरियो का रहन सहन

विशेष बात - बकरिया आम तौर पर गर्मी को सह लेती है हैं परंतु गीला वातावरण और नमी वाली जगह बकरियो को बीमार कर देती है. इसलिए किसी भी तरह के घर में बकरी के रहने की और विचरण की जगह को भीगने ना दें

बकरियाँ लकड़ी के फट्टो से बने उँचे स्थानो पर बैठना पसंद करती हैं.

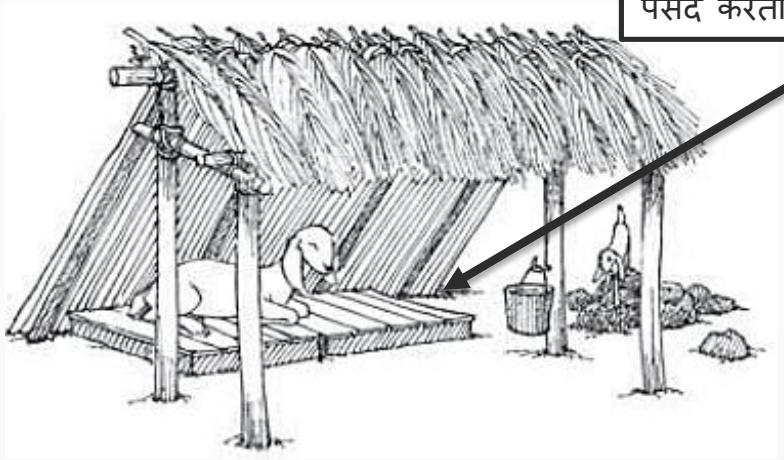

ऐसे नान्द बनाने से चारा व्यय नही होता ओए बकरिया इसे चाव से खाती हैं.

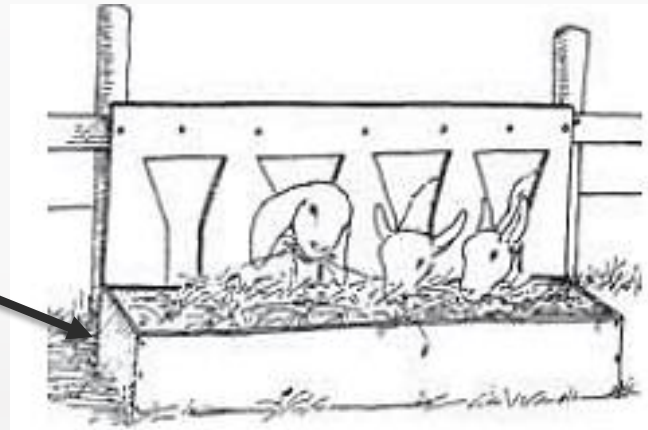

उँचाई पर बना बकरियो का बाड़ा

बकरियो का रहन सहन

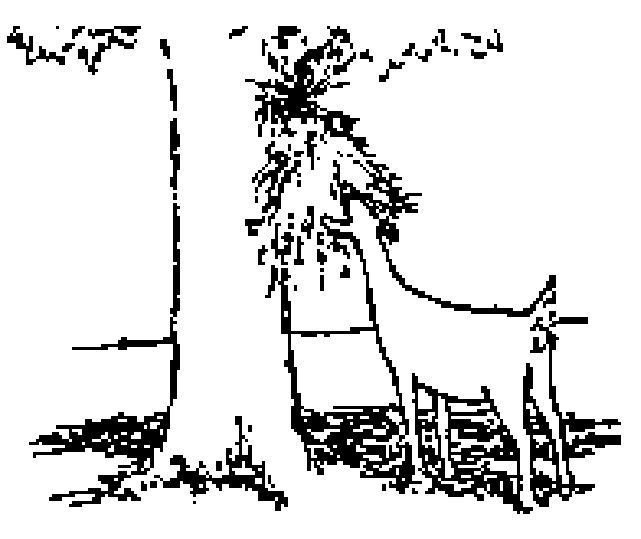

बकरिया उँचाई से तोड़कर खाना पसंद करती हैं इसलिए घांस या पत्तो को उपर बाँध का खिलाएँ

पेड़ पर कील ठोककर बाल्टी को लटका कर भी व्यक्तिगत बकरियो की भराई कराई जाती है

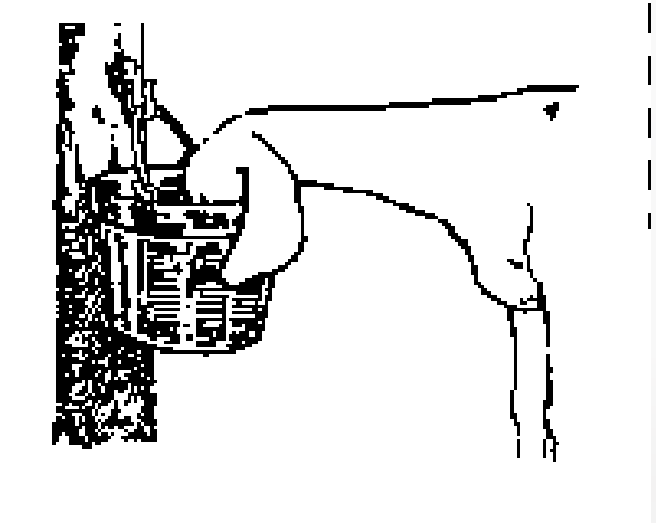

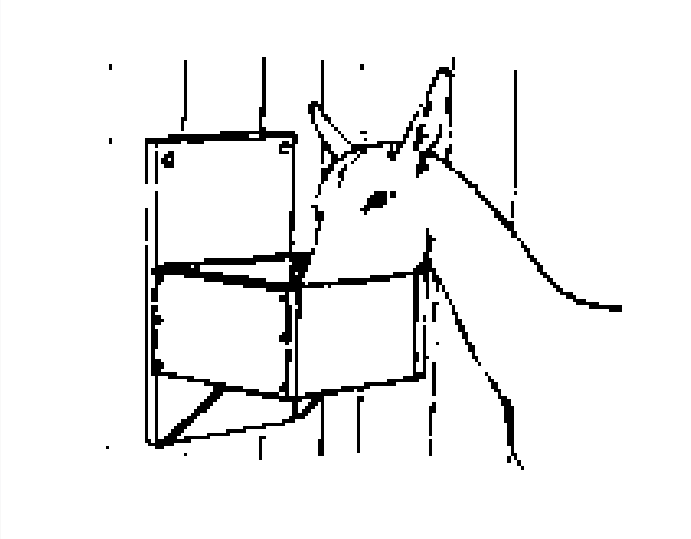

ग्याबन या दूध देने वाली बकरियो को अलग से तोड़ा दाना देना चाहिए इसके लिए एक छोटी नान्द बनाई जा सकती है जो ज़मीन से 1.5 फीट की उँचाई पर हो.

बाँध कर चराना - Tethering

जो किसान एक या दो बकरिया पालते हो उनके लिए आसान यह है की चित्र में दिखाई गयी बकरी की तरह अपनी बकरिया बाँध लें और दिन भर चरने दें. इसमे रस्सी की लंबाई अपनी सुविधा अनुसार रखी जाती है.

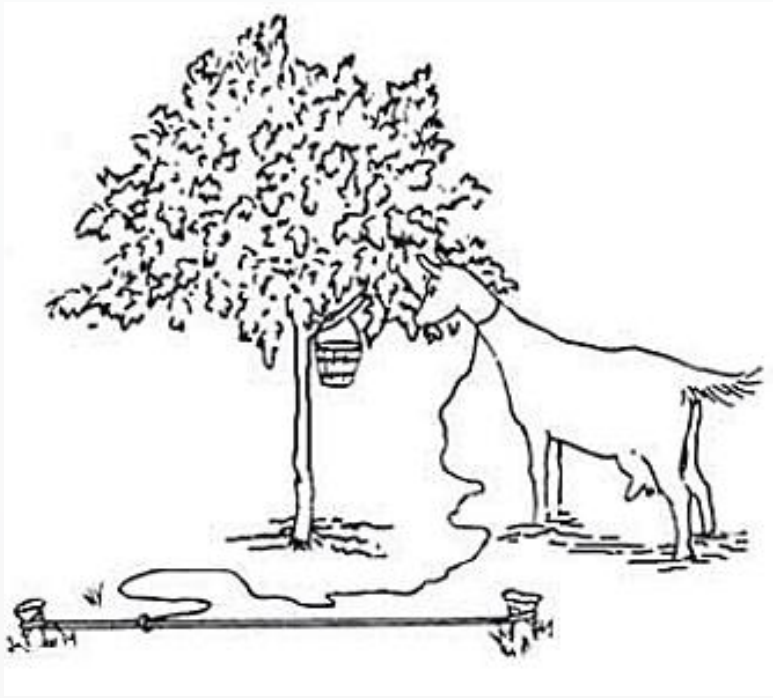

बकरियो को उचक कर खाना पसंद होता है

बकरियो को उचक कर खाना पसंद होता है इसीलिए पत्ते या घास फूस उपर लटकाई जाती है जिससे बकरिया चाव से चारा खायें और बर्बादी ना करें

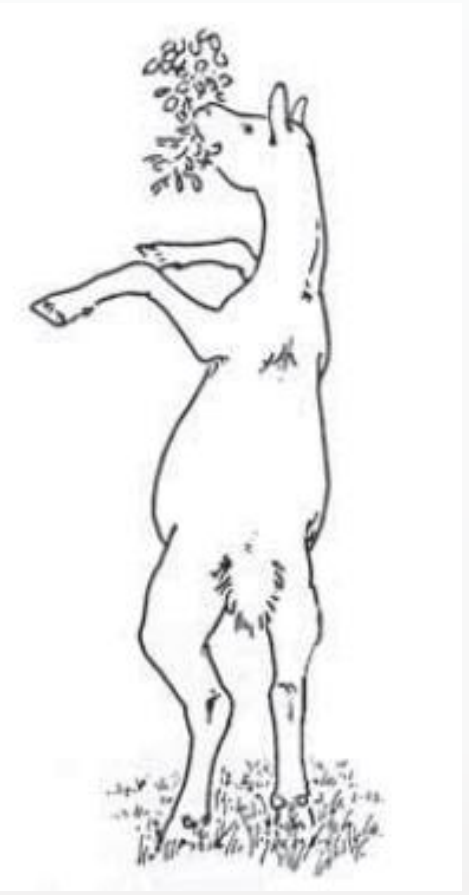

प्रजनन करवाने हेतु महत्व पूर्ण जानकारी

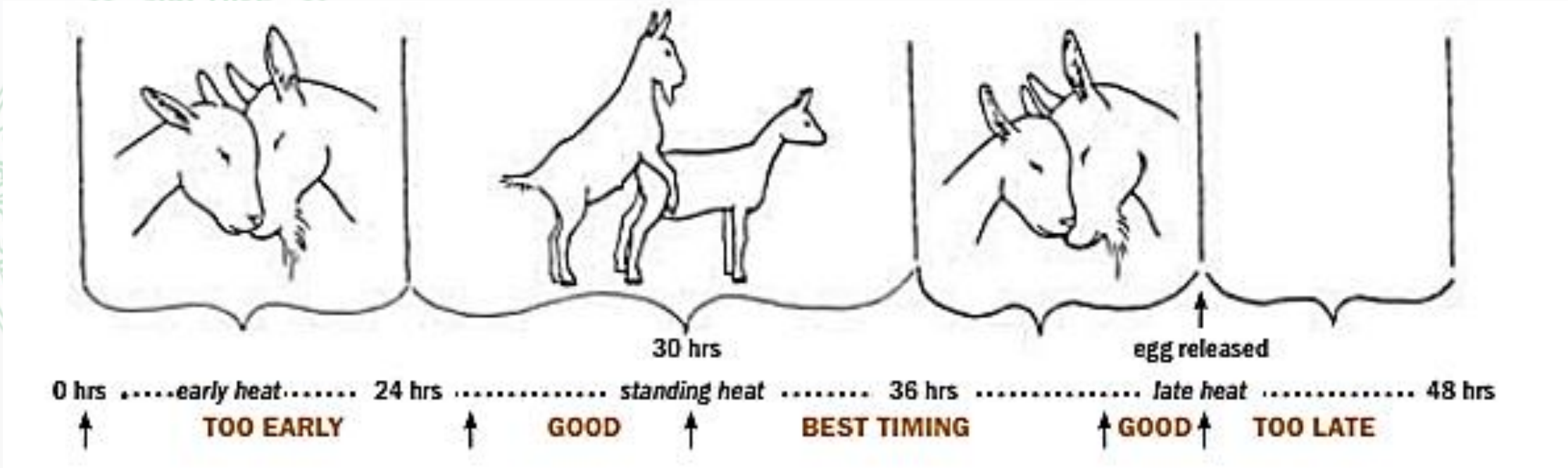

बच्चे होते समय बकरी की अवस्था

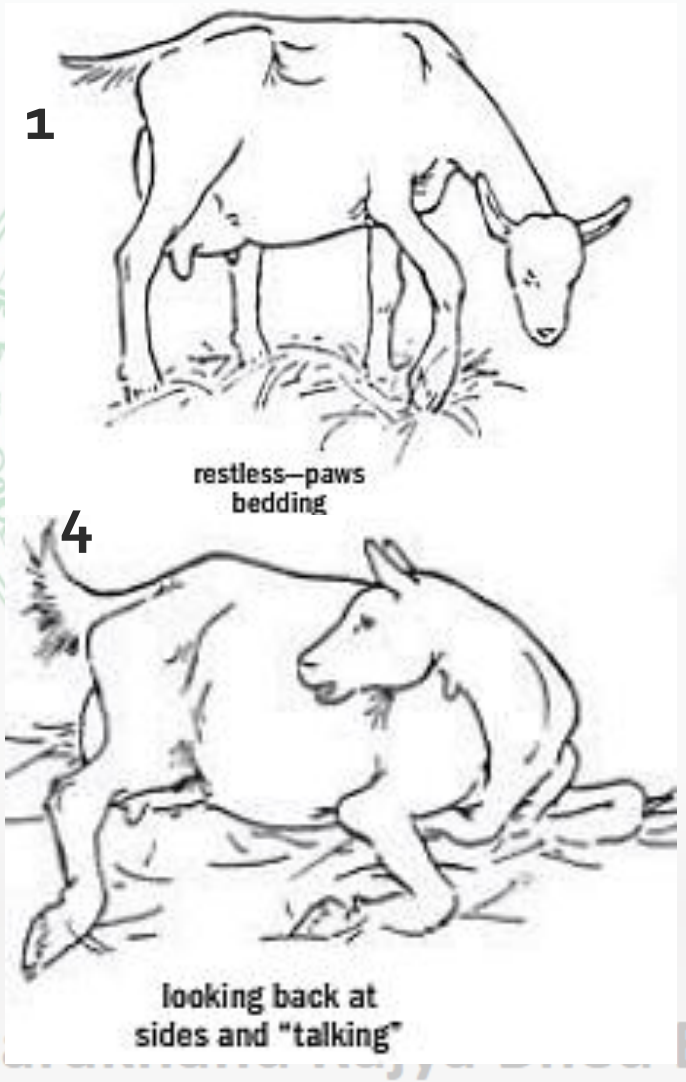

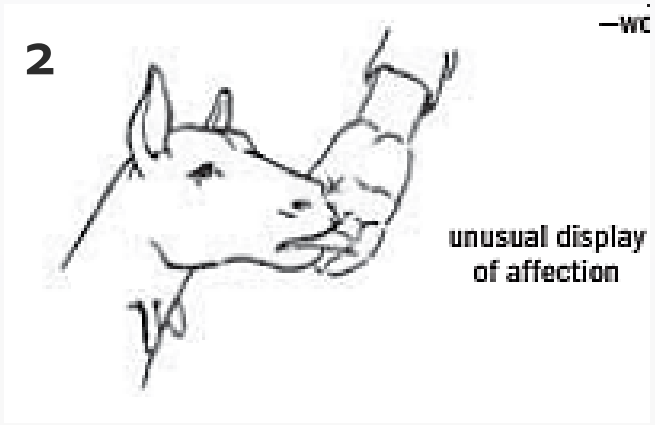

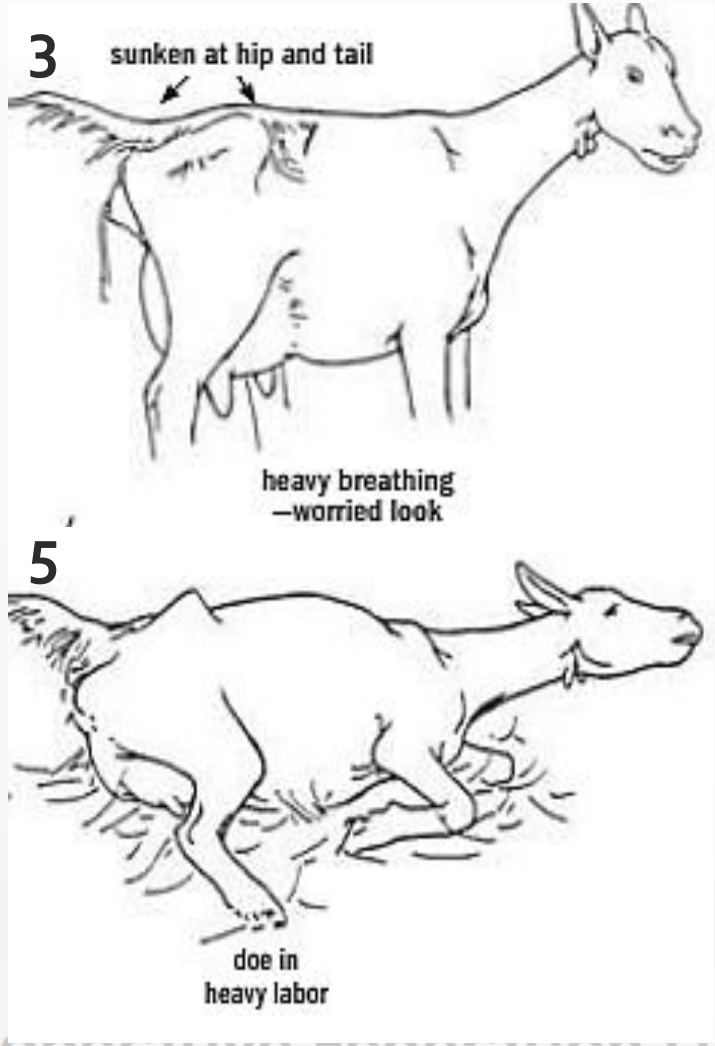

बच्चे होते समय बकरी की अवस्था

कुछ अहम बातें

- बकरियो की ब्रीडिंग तारिक़ रेकॉर्ड कर लें जिससे ब्याने के समय का अनुमान लगाया जा सके और तय्यरी की जा सके
- जब ब्याने का समय नज़दीक हो तो एक अलग जगह (Kidding Pen) की व्यवस्था कर लें जहाँ से सीधी हवा का गुज़र ना हो और ना ही तापमान बहुत अधिक या कम हो. बकरी को kidding pen में ब्याने के 3 से 4 दिन पहले ले आएँ
- ब्याने की जगह पर पहले Potassium Triple Salt नामक दवाई से स्प्रेयर में भर के उससे स्प्रे करें फिर धूप में सुखी हुई धान की पुआल बिछा दें

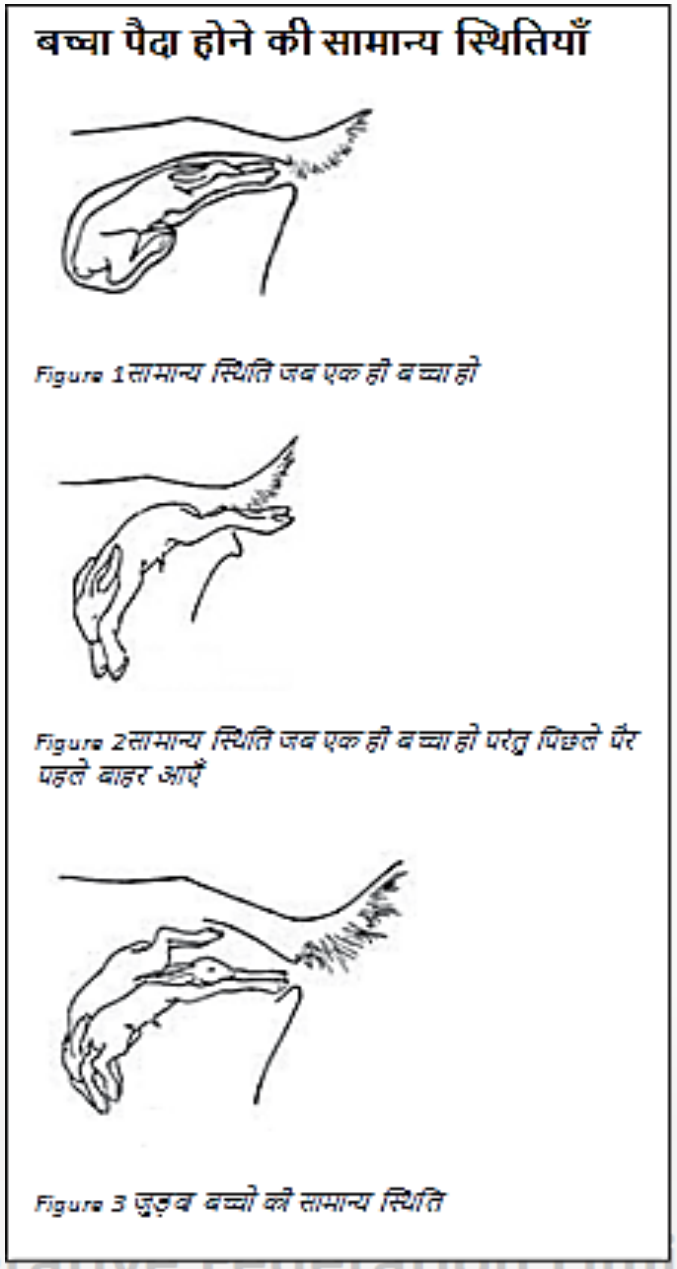

Uttarakhand Rajya Bhed Bakri Shashak Paalak Cooperative Federation Limited

बच्चे होते समय बकरी की अवस्था

- सबसे पहले पानी से भारी हुई एक झिल्ली बहार आती है जो अक्सर अपने आप फूट जाती है और पानी बह जाता है
- इसके बाद नॉर्मल केस में सबसे पहले बच्चे के दो पैर बहार आते हैं और उसके बाद सर और बाकी शरीर
- यह सब होने में 20 मिनट से 1 घंटे तक का समय लगता है
- अक्सर जब जुड़वा बच्चे होते हैं तो पहले बच्चे के आगे वेल पैर बहार आते हैं फिर सर और बाकी शरीर परंतु दूसरे बच्चे के सबसे पहले पिछले पैर बहार आते है फिर बाकी शरीर

बच्चे की नाल अपने आप टूट जाती है या फिर आप उसे ब्लेड से काट दें और काट कर वहाँ बीटाडीन लोशन से साफ करे क्यूंकी कई बीमारिया नाल से बच्चे के अंदर चली जाती है और मौत का कारण बनती हैं जब बच्चा बाहर निकल आए तो 2-3 मिनट इंतेज़ार कीजिए की बकरी बच्चे को चाटने लगे और उस पर लगा चिपचिपा द्रव्य साफ कर दे यदि बकरी ऐसा ना करे तो आप कॉटन के मुलायम कपड़े से धीरे से साफ करे

बच्चा पैदा होने से पहले बकरी की स्थिति

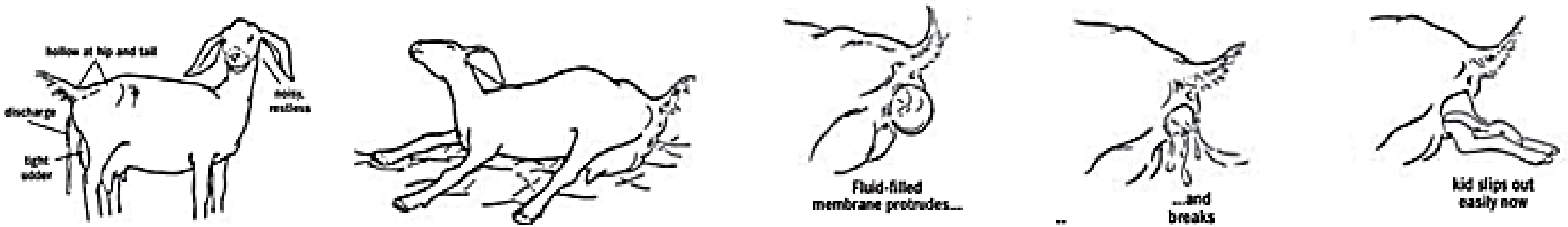

नवजात बच्चो की देखभाल

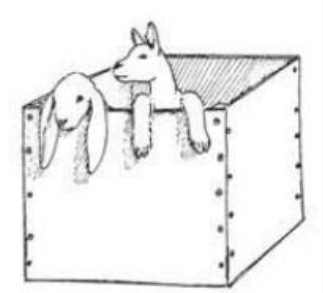

- पैदा होने के दस मिनट में बच्चा अपने पैरो पर खड़ा हो जाता है उसके बाद उसे मा का पहला दूध पिलाए जिससे बीमारियो से लड़ने वाली antibodies बच्चे के अंदर चली जाए. पहला दूध पिलाना बहुत आवश्यक होता है और जितनी जल्दी से जल्दी पिला दें उतना ही ये बीमारियो से लड़ने में और स्वस्थ रखने में प्रभावशाली होता है

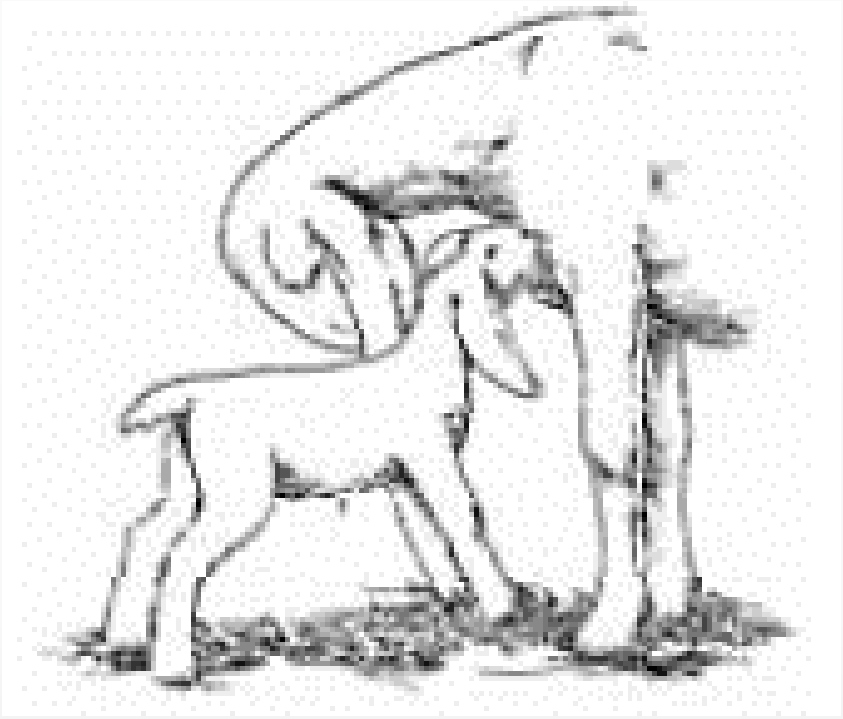

- बच्चा जब पैदा होता है तो उसके अंदर उर्जा का कोई विशेष स्रोत नही होता इसलिए वो अपने शरीर का तापमान स्थिर नही रख पाता और जल्द ही . हाइपोथरमिया हो जाता है इसलिए जल्दी से जल्दी पहला दूध पिलाना आवश्यक हो जाता है ताकि बच्चे को उर्जा मिलती रहे. यदि बकरी दूध ना दे और तापमान कम हो तो 100ml साफ पानी में 25gm ग्लूकोस और 100ml गाय का दूध घोल कर 15-15 मिनट में 20-20ml बोतल या सीरिंज से पिलाएँ

बकरियो में पोषण

Dairy & Poultry Solutions
Uttarakhand Rajya Bhed Bakri Shashak Paalak Cooperative Federation Limited

बकरियो में पोषण

जुगाली करने वाले पशुओ का पाचन तंत्र

- इन पशुओ मे उपर के दाँत नही होते उसकी जगह एक ठोस पट्टा होता है जिसे डेंटल पॅड कहते हैं
- लार का उत्पादन
- 150 lit/d –गाय, भैंस, -
  10 lit/d - बकरी

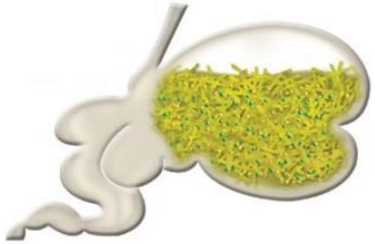

- पेट की चार थैलियाँ :
  - ❑ **रुमेन** (यह सबसे बड़ी थैली होती है जिसमे मुख्य पाचन प्रक्रिया होती है)
  - ❑ **रेटिक्युलम**
  - ❑ **ओमेसम**
  - ❑ **एबोमेसम**

आंतरिक संरचना

रुमेन

रेटिक्युलम

ओमेसम

एबोमेसम

Dairy & Poultry Solutions

बकरियो में पोषण

जुगाली

- मवेशी अपने अधपचे चारे को रुमेन से निकाल कर दोबारा मुह मे लाते हैं और अच्छी तरह चबाते है जिससे उनके पेट के जीवंडु रेशे को जल्दी से और अच्छी तरह पचा पाते हैं

पोशक तत्व - खाद्य सामग्री मे पाए जाने वाले वो रसायनिक पदार्थ होते हैं जो पशुओ के रख रखाव, उत्पादन और स्वास्थ के लिए आवश्यक होते हैं

बकरियो में पोषण

कार्बोहाइड्रेट (मुख्य ऊर्जा स्रोत)

रेशा

हरी जयी

मक्का

गेहूँ का भूसा

स्टार्च

जौ

मक्का का दाना

गेहूँ

प्रोटीन (मुख्य स्रोत)

सरसो की खल

अल्सि की खल

बिनोले की खल

सोयाबीन

दाल चुन्नी

Dairy & Poultry Solutions
Dairy & Poultry Solutions
Uttarakhand Rajya Bhed Bakri Shashak Paalak Cooperative Federation Limited

बकरियो में पोषण

खनिज पोषण

- यह सबसे महत्वपूर्ण अंश है पशु पोषण का क्यूंकी आम तौर पर किसान इसपर ध्यान नही देते.
- कॅल्षियम, फॉस्फरस, मॅग्नीज़ियम, जस्ता, लोहा तथा अन्य महत्वपूर्ण खनिज पशु के पाचन तंत्र को चलाने लिए काफ़ी ज़रूरी होते हैं
- 10 किलो दूध के लिए लगभग 32ग्राम कॅल्षियम और 20ग्राम फॉस्फरस चाहिए होता है
- इसलिए खनिजो की कमी की वजह से दूध का उत्पादन भी कम हो जाता है तथा पशु भी अस्वस्थ हो जाते हैं
- खनिज मिश्रण को मिनरल मिक्स्चर भी कहते हैं इसे प्राय हम 100 से 150 ग्राम प्रति पशु प्रति दिन देते हैं

विटामिन: पोषण

यह देखा गया है की पशु की विटामिन की आवश्यकता चारे और दाने स पूरी हो जाती है.

परंतु यदि हरा चारा राशन मे नही है तो विटामिन A देना अनिवार्य हो जाता है इसलिए राशन मे रोज़ हरे चारे का प्रयोग अवश्य करें

axon vet
Dairy & Poultry Solutions

बकरियो में पोषण

चारा सामग्री का वर्गीकरण

कॉन्सेंट्रेट (**दाना**) / रफएज (**रेशा**)

कॉन्सेंट्रेट (**दाना**)	रफएज (**रेशा**)
➢ चॉकर	➢ घास
➢ दाल	➢ हरा चारा
➢ चुन्नी	➢ पत्तिया
➢ पशु आहार	➢ साईलेज
➢ अनाज	➢ भूसा
➢ बीज	➢ सूखी घास
➢ खल	

axon vet
Dairy & Poultry Solutions

साफ और बीमारी रहित दूध का उत्पादन

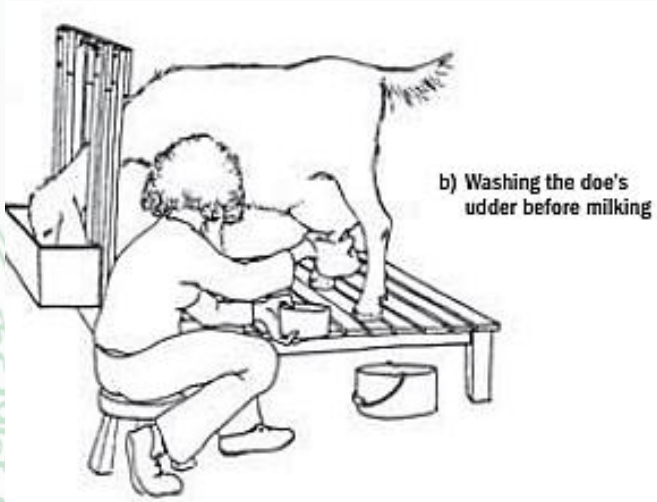

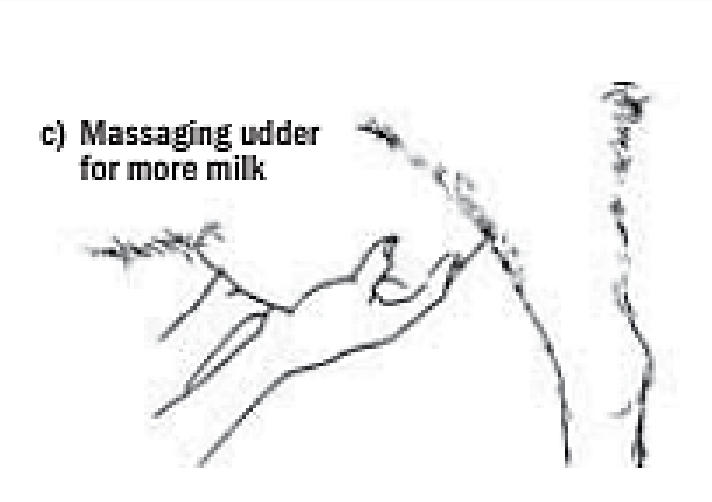

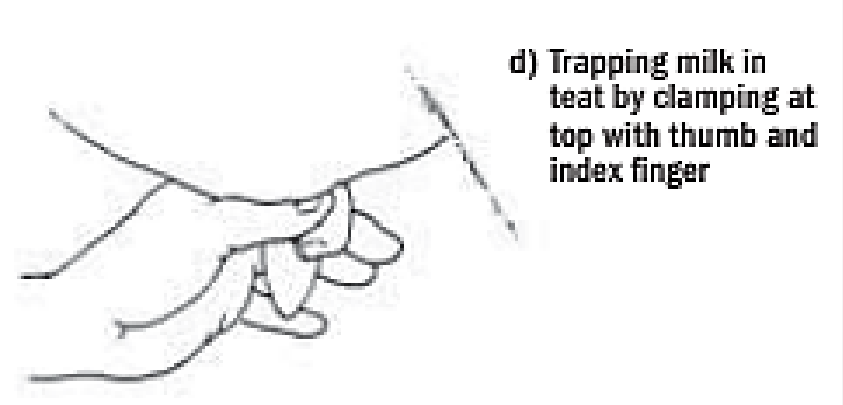

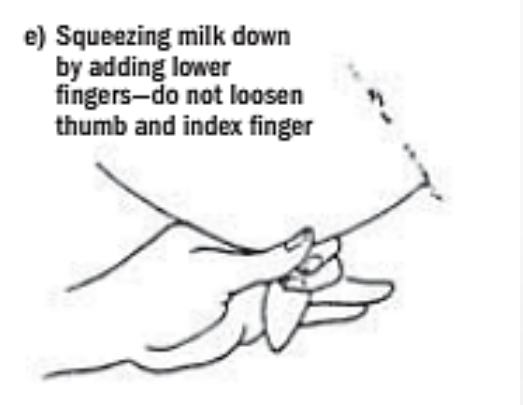

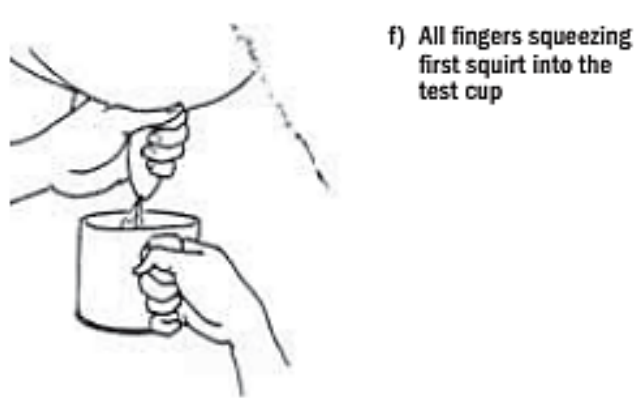

थनो की सफाई

दूध निकालने के बाद थनो को अच्छे से धोना चाहिए नही तो थानेला रोग की संभावना बहुत बढ़ जाती है जिससे थन सूज जाते है बकरी को असहनीय दर्द होता है और साथ ही दूध आना भी बंद हो जाता है. इसलिए दूध निकालने के बाद थनो को एक बार लाल दवाई से अवश्य धोएं

बकरियो में परजीवी प्रबंधन

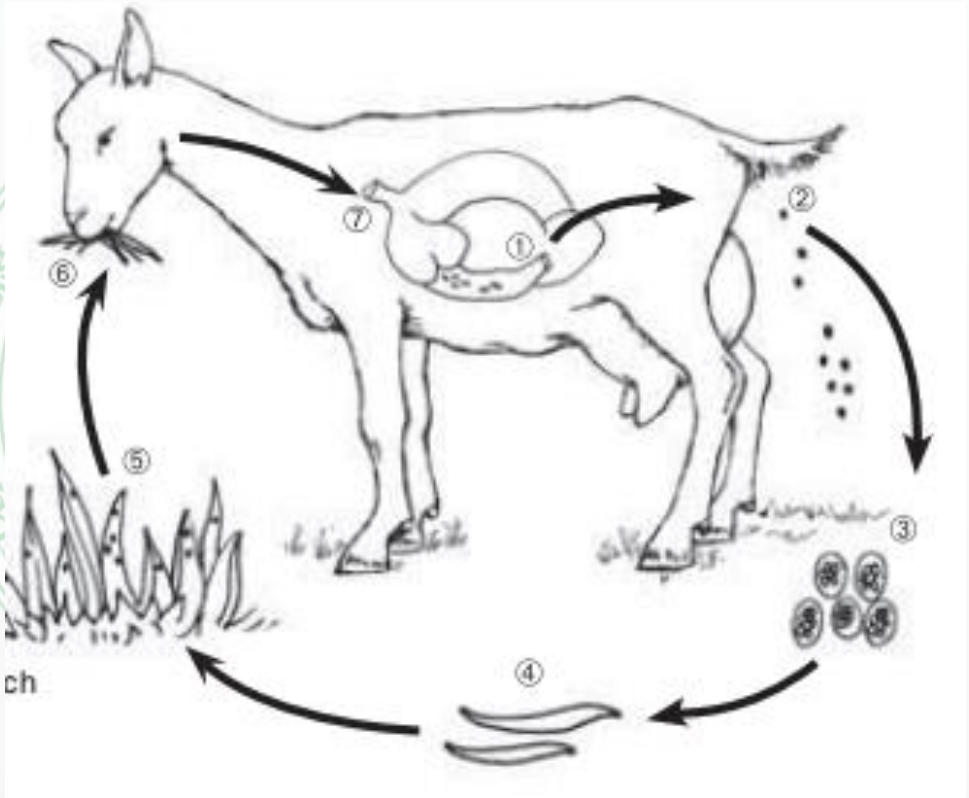

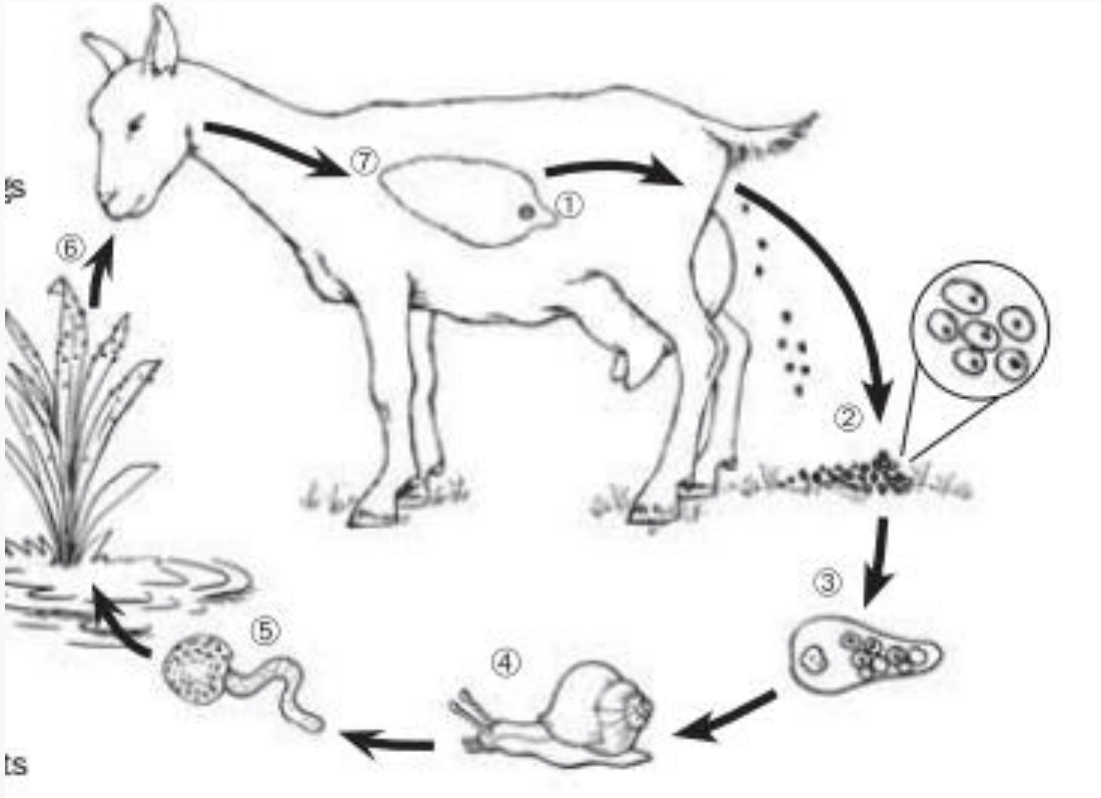

अंतपरजिवियो से निवारण के लिए उपयुक्त समय पर या डॉक्टर की सलाह अनुसार कीड़ो की दवाई अवश्य पिलायें. यह दवाई सरकारी पशु चिकित्सल्य पर मुफ़्त मिल जाती है, साल में कीड़ो की दवाई कम से कम दो बार अवश्य पिलायें, एक बार बरसात से पहले और एक बार बरसात के बाद

Uttarakhand Rajya Bhed Bakri Shashak Paalak Cooperative Federation Limited

बाहारी परजिवियो से बचाव - जुएँ और किल्लिया

जुएँ और किल्लियो के लिए समय समय पर दवाई वाले पानी से बकरी के उपर या तो स्प्रे करें या नहलाएँ. बूटोक्स या अमितराज़ नामक दवाईया काफ़ी ज़हरीली होती है इसलिए सावधानी से इस्तेमाल करें और घर में बच्चो की पहुच से दूर रखें

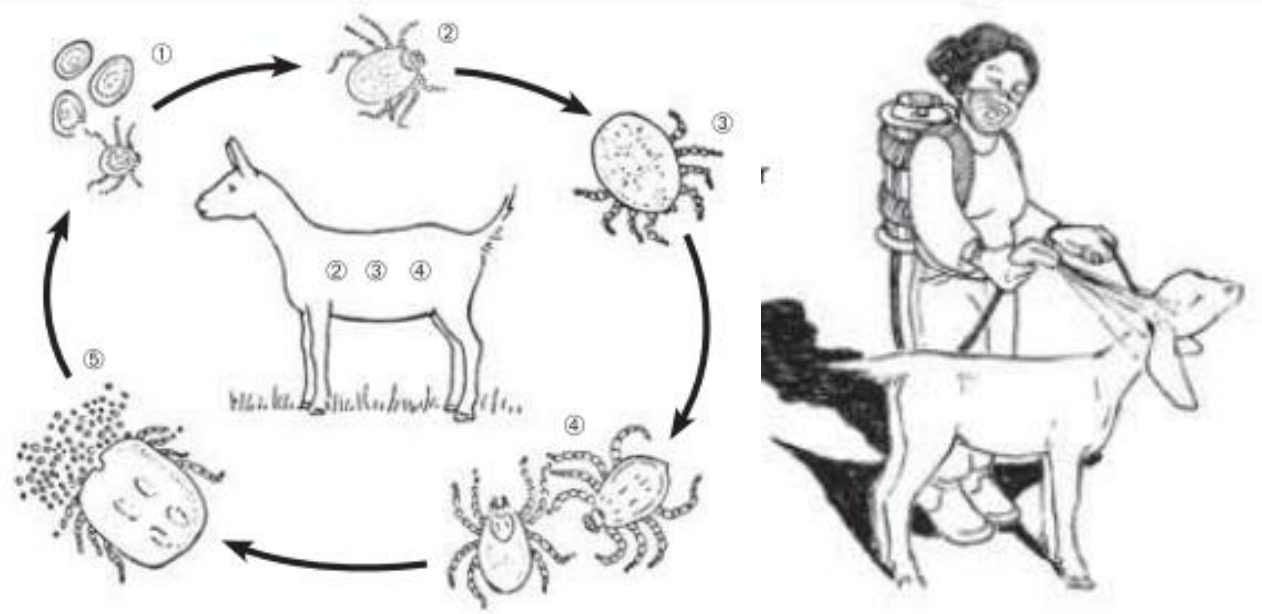

Uttarakhand Rajya Bhed Bakri Shashak Paalak Cooperative Federation Limited

बकरियो में अफारा या पेट का फूलना

अक्सर यह देखा गया है की जब कभी बकरी हरा चारा या अनाज अधिक खा लेती है तो उसके पेट में गैस बनने लगती है और यदि यह ना निकल पाए तो बकरी की मौत तक हो जाती है. ऐसे में प्राथमिक उपचार जानना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है.

ऐसे में बकरी को 40 से 50 ग्राम सरसो के तेल में या रेफाइंड तेल में आधा चम्मच आजवाइन, एक चम्मच ज़ीरा और एक चम्मच काला नमक मिला कर पीला दें. और पेट पर धीरे धीरे मसाज करते रहें. यदि हो सके तो आधी गोली टेरा माईसीन की दे दें.

धन्यवाद

आधुनिक बकरी पालन से सम्बंधित सलाह हेतु संपर्क करें

प्रबन्ध निदेशक
उत्तराखण्ड राज्य भेड़, बकरी, शशक पालक कोऑपरेटिव फेडरेशन लि0
उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड
पशुधन भवन, द्वितीय तल (दायी विंग) मोथरोवाला रोड़
पो0 ओ0 मोथरोवाला, देहरादून-248115,
फोनः 0135-2532926 फैक्स 0135-2532816
E-mail: mdusgef@gmail.com, ceo.uswdbdb@gmail.com
Website: www.uswdbdehradun.in